

The Tribune 21-April-2021

All rural households likely to have tap water by next year

NEW DELHI, APRIL 20

The UT of J&K has committed to the Union Jal Shakti Ministry to provide piped drinking water under Centre's flagship Jal Jeevan Mission to every rural household by September 2022, much ahead of the national deadline.

This was during a meeting of the national committee of the ministry to discuss the UT's Jal Jeevan Mission Annual Action Plan for 2021-22.

The UT presented the annual action plan through videoconference.

Besides, the J&K authorities presented their progress on implementation of the scheme, and support activities to be taken up in the the current financial year. — TNS

Telangana Today 21-April-2021

Hyderabad witnesses light rainfall



IMD issues warning of thunderstorms accompanied with lightning and gusty winds at isolated places in the State till April 24. Some areas in Hyderabad witnessed thunder showers on Tuesday. — Photo: Guru G

CITY BUREAU Hyderabad

Residents in several parts of Hyderabad were greeted with light rainfall on Tuesday evening, just like on Monday, with some localities including Quthbullapur, Kompally and Alwal witnessing showers that lasted for about 30 minutes. In the meantime, weather officials have warned of thunderstorms, lightning and gusty winds across the State over

the next four days. The temperature, which was at 38.4 degree Celsius, was one degree less than the normal temperature by Tuesday evening. The rainfall recorded by the different weather stations of the Telangana State Development Planning Society saw Neredmet recording 14.3 mm till 6 pm, while AS Rao Nagar recorded 13 mm. Shaikpet recorded 11.5 mm, while Alwal recorded 11 mm.

On the other hand, the In-

dian Meteorological Department (IMD), Hyderabad has issued a warning stating that there would be thunderstorms accompanied with lightning and gusty winds at isolated places in the State till April 24. The gusty winds could be as fast as 30-40 kmph. Experts predict light to moderate rainfall towards Serilingampally and Kukatpally as well on Wednesday.

IMD Hyderabad director Dr K Nagaratna said there

was a trough at 0.9 km above mean sea level, which runs from Jharkhand to North Interior Karnataka across Chhattisgarh and Telangana, due to which the State was receiving the rainfall.

On Tuesday, several cities including Adilabad, Bhadrachalam, Mahabubnagar, Hanmakonda and Nizamabad received moderate to heavy rainfall. Maximum temperature of 41.8 degree Celsius was recorded from Adilabad.

Rashtriya Sahara 21-April-2021

दिनभर छाए रहे बादल, कुछ इलाकों में बूदाबांदी

नई दिल्ली (एसएनबी)। मंगलवार को पूरे दिन सूरज बादलों के आगोश में छुपा रहा जिससे आज लोगों को चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी से राहत मिली।

बादल छाए होने के कारण मंगलवार को यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को यहां का अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक था। इसी तरह न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस कम रह।

मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमानों में बुधवार को यहां का तापमान 33 और 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। बुधवार को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ एक इलाकों में बूदाबांदी हो सकती है। मंगलवार को शाम ढलने के साथ ही दिल्ली एनसीआर के कुछ एक इलाकों में हल्की बूदाबांदी हुई, लेकिन मौसम विभाग के अनुसार सिर्फ लोधी रोड इलाके में बारिश की कुछ एक बूंदें पड़ी। इसके अलावा अन्य इलाकों में बूदाबांदी की कोई खबर मौसम विभाग के पास नहीं है। शाम को भी तेज चलती हवाओं से मौसम और सुहाना हो गया।

Amar Ujala 21-April-2021

अविरल नदी के लिए लड़ते आदिवासी



एशिया की सबसे स्वच्छ नदी माने जाने वाली मेघालय की उमनगोत नदी पर सरकार ने बांध बनाने का फैसला किया है।

पंकज चतुर्वेदी

पर्यावरण

कोई इसे देश की, तो कोई एशिया की सबसे स्वच्छ नदी बताता है-पानी इतना साफ है कि तैरती नावें कांच पर स्थापित प्रतिमा के मानिंद नजर आती हैं। आखिर हो भी क्यों न, वहां का समाज इस नदी को जान से ज्यादा चाहता है और इसकी सफाई उनकी अपनी जिम्मेदारी है। पर इतनी विरल नदी के किनारों पर इन दिनों असंतोष की आग सुलग रही है। सरकार चाहती है कि इस नदी की अविरल धारा को बांधकर उससे बिजली पैदा की जाए, जबकि समाज इस नदी के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ को स्वीकार नहीं कर रहा है। मेघालय में शिलांग से कोई 85 किलोमीटर दूर उमनगोत को धरती का एक आश्चर्य कहें, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। मेघालय ऊर्जा निगम लिमिटेड ने जबसे उमनगोत नदी पर बांध बनाकर 210 मेगावाट बिजली उत्पादन की परियोजना की घोषणा की है, खेती, मछली पकड़ने और पर्यटन से अपना जीविकोपार्जन करने वाला



स्थानीय समाज सड़कों पर है और गत दो महीने से वहां आंदोलन हो रहे हैं। इस बीच, मेघालय राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दो बार जनसुनवाई का आयोजन किया, पर प्रदर्शनकारियों ने यहां तक अफसरो को पहुंचने नहीं दिया। उमनगोत नदी का उद्गम पूर्वी शिलांग में समुद्र तल से 1,800 मीटर ऊपर स्थित एक छोटी-सी पहाड़ी में

स्थित है। पर्यवरण-मित्र पर्यटन के लिए विश्व मानचित्र पर चर्चित दावकी शहर के पास यह नदी बांग्लादेश में कुछ देर को प्रवेश करती है और वहां इसे डावकी नदी कहते हैं। उसके बाद मेघालय में यह नदी, री पनार पहाड़ी (जहां जयंतिया जनजाति रहती है) तथा हेमा खिरिम पहाड़ी (जहां खासी जनजाति निवास करती है) के बीच एक नैसर्गिक सीमा का काम करती है। उमनगोत जिन तीन गांवों-दावकी, दारंग और शेंनानाडों से बहती है, वहां के निवासी खासी आदिवासी ही इसको पवित्र और उसके प्राकृतिक स्वरूप में रखने का काम करते हैं। जब पर्यटक कम आते हैं और मौसम ठीक होता है, तब सारे गांव वाले 'सामुदायिक सेवा' कर नदी और उसके आसपास सफाई का काम करते हैं। इस दिन गांव के हर घर से कम से कम एक व्यक्ति नदी की सफाई के लिए आता है। यदि किसी को किसी भी तरह की गंदगी फैलाते देखा जाए, तो उस पर 5,000 रुपये तक जुर्माना लगता है। तभी इस नदी में 15 फीट गहराई तक पानी के नीचे का एक-एक पत्थर क्रिस्टल की तरह साफ-साफ नजर आता है। हवा में कोई प्रदूषण नहीं, तभी स्थानीय लोग इसे अपना स्वर्ग मानते हैं। मेघालय के जल-जंगल-जमीन-जन और जानवर को पीढ़ियों से अपने मूल स्वरूप में सहेज कर रख रहे आदिवासियों का कहना है कि नदी पर बांध बनने के

बाद उनके गांवों तक नदी में पानी का बहाव कम हो जाएगा, खासकर सर्दियों में, जब सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं, यह जलधारा सूख जाएगी। पूर्वी खासी हिल्स जिले के किसानों में यह भय है कि प्रस्तावित जलविद्युत परियोजना के कारण उनकी खेती योग्य भूमि डूब जाएगी। पश्चिम जयंतिया हिल्स और पूर्वी खासी हिल्स के 13 गांवों की लगभग 296 हेक्टेयर खेती लायक भूमि यह बांध लील जाएगी। परियोजना के दस्तावेज बानगी हैं कि इसके कारण निचली ढलान के कई गांवों को विस्थापित करना पड़ेगा और संभव है कि शोपडों और दावकी जैसे पर्यटन केंद्रों का नामोनिशान मिट जाए।

उधर सरकार का दावा है कि बांध से उत्पन्न बिजली से गांवों में विकास आएगा, उपरी हिस्से में कुछ गांव इस परियोजना का समर्थन भी इसीलिए कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि बांध के जलाशय से उन्हें ज्यादा पानी मिलेगा। नदी पर निर्भर लोगों की चिंता है कि यदि बांध बनता है, तो पर्यटक वहां ज्यादा जाएंगे, विस्थापन और डूब से उनके पारंपरिक रोजगार छूट जाएंगे और साथ ही बांध के पानी के कारण मछलियों की पारंपरिक प्रजातियों पर भी संकट होगा। प्रकृति पर निर्भर आदिवासी विकास की नई परिभाषा से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि एक सड़क या बिजली के लोभ में वे अपनी नदी, पेड़, स्वच्छता से समझौता नहीं कर सकते। वे अपने जीवन से संतुष्ट हैं और प्रकृति के बलिदान की कीमत पर कोई समझौता करना नहीं चाहते।